तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
13/11/24	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उपस्थित। विप्रार्थी संख्या 1 से 3 के वकील उपस्थित। पत्रावली वास्ते विप्रार्थीगण के जवाब हेतु आईन्दा दिनांक 26/12/24 को पेश हो।
26/12/24	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यों मे व्यस्त है. मिसल इलाबा होकर पत्रावली [illegible] आद[illegible] [illegible]नुसार आईन्दा दिनांक 24/01/25 को पेश हो।
24/1/25	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो मे व्यस्त है. मिसल इल्ताबा होकर पत्रावली पुर्व आदशिकानुसार आईन्दा दिनांक 28/02/25 को पेश हो।
28/02/25	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 30/04/25 को पेश हो।
30/04/25	दिनांक 30/04/25 को स्थानीय अवकाश घोषित होने के कारण पत्रावली आईन्दा दिनांक 30/06/25 को पेश हो।
30/06/25	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 21/07/25 को पेश हो।
21/07/25	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील अनु./ प्रार्थी स्वयं अनुपस्थित। पूर्व इतलाह को [illegible] की। [illegible] हवाले में स्थगित [illegible] इस आवेदन को अभियोजन [illegible] औचित्य नहीं है। अतः इस आवेदन की कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। पत्रावली के सल्ल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Badrinarayan
Date: 2025.08.01 19:49:37 IST
Reason: SelfAttested

अन्वान - केसराराम वगैरा बनाम मसराराम वगैरा

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
04/04/25	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी बिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 09/05/25 को पेश हो।	
09/05/25	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी निगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 20/06/25 को पेश हो।	
20/06/25	पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी बिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 23/07/25 को पेश हो।	
23/07/25	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील अनुपस्थित। प्रार्थी स्वयं अनुपस्थित। चूंकि मूलवाद को अदम हाजरी। अदम पैरवी में खारिज किया जा चुका है तो इस आवेदन को आगे चलाने का कोई औचित्य नहीं है। अतः इस आवेदन की कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। मूलवाद के संलग्न हो।	

Signature Not Verified
Digitally signed by Badrinarayan
Date: 2025.08.01 19:49:37 IST
Reason: SelfAttested